सचिन पायलट मुद्दों पर अड़े रहे, तो राजस्थान मामले का पटाक्षेप मुश्किल!

गुरुवार को जयपुर आए केसी वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री गहलोत और प्रभारी रंधावा के साथ 1 घंटे तक चर्चा की

- वेणुगोपाल आए तो मंत्री की बेटी की शादी में थे, लेकिन असली मकसद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ चर्चा करने का ही था
- शुक्रवार को सचिन पायलट भी जयपुर आए और भजनलाल से मिलकर वापस लौट गए

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस को लेकर 29 मई को मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और अशोक गहलोत की लंबी बैठक के बाद सचिन पायलट को बुलाकर की गई वार्ता और फोटो सेशन हुआ था। उसके बाद में राजस्थान को लेकर बयान तो आए, लेकिन हुआ कुछ भी नहीं।

अब राहुल गांधी 21 जून को भारत वापसी के अगले दिन पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सचिन पायलट के साथ में दिल्ली में बात की। इसके बाद में वे जयपुर आकर मंत्री भजनलाल की पुत्री के विवाह समारोह में हिस्सा लेने के साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से चर्चा की है। हालांकि चर्चा का कोई भी ब्यौरा कांग्रेस के 29 मई की मीटिंग के बाद संभावित फार्मूले की तरह बाहर नहीं आया है। फिर भी कहा जा रहा है कि जल्दी ही राजस्थान के मामले का पटाक्षेप हो जाएगा। इस चर्चा के बीच सचिन पायलट शुक्रवार को जयपुर आए और मंत्री भजनलाल के घर जाकर वापस लौट गए।

यहां सवाल उठ रहा है कि यह पटाक्षेप किस फार्मूले पर होगा। फार्मूला तो जब सामने आएगा, तब आएगा, लेकिन सचिन पायलट ने जिस तरह से युवाओं के पैरों के छालों की कसम खाई थी और कहा था कि आरपीएससी भंग हो, नया सिस्टम लागू हो। छात्रों को आर्थिक मुआवजा मिले और वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार की जांच हो। इन तीनों मुद्दों को लेकर अब कोई बात नहीं हो सकती और ना यह मांगे फिलहाल मानी जा सकती हैं। इसका कारण यह है कि चुनाव आचार संहिता लगने में तीन-साढ़े महीने का समय बचा है। इतने कम समय और चुनाव से ठीक पहले ऐसा किया जाना संभव भी नहीं लगता। मुख्यमंत्री के तौर पर अशोक गहलोत इन तीनों मांगों को कई बार खारिज कर चुके हैं। अब यहां सवाल यह उठता है कि जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सचिन पायलट की तीनों मांगों को खारिज कर चुके हैं, तो फिर फार्मूला कैसे बनेगा।

ऐसे में फार्मूला एक ही तरीके से बन सकता है कि सचिन पायलट चुनाव तक अपनी तीनों मांगों को छोड़ें। यह आसान नहीं है, क्योंकि वे तीनों को छोड़ते हैं तो उनके आंदोलन पर सवाल खड़ा होगा। अब यदि मांगे नहीं छोड़ते हैं, तो फिर कांग्रेस में फार्मूला बनना संभव नहीं है। यही कारण है कि फिलहाल कांग्रेस में राजस्थान के मामले को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है।

पायलट समर्थकों की ओर से बार-बर कहा तो यह भी जा रहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चाहते हैं कि सचिन पायलट को सम्मान मिले, लेकिन क्या यह संभव है कि कांग्रेस में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चाहे और सचिन पायलट को सम्मान नहीं मिले। इसलिए बहुत सारी उलझने कांग्रेस में अभी बनी हुई हैं और इनसे निकलना बहुत आसान भी नजर नहीं आ रहा है।

हालांकि 29 मई को दिल्ली में राहुल गांधी और मलिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद वेणुगोपाल का बयान आया था कि राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बात पर रजामंदी दे दी थी, कि वो साथ मिलकर राजस्थान में चुनाव लड़ेंगे। लेकिन दोनों नेताओं को एकसाथ लाने के लिए सुलह का क्या फार्मूला कांग्रेस आलाकमान की ओर से दिया गया, यह अब तक सामने नहीं आया है। इसी बीच 11 जून को राजेश पायलट की पुण्यतिथि कार्यक्रम से पहले यह बातें फैलने लगी कि पायलट अपनी पार्टी बना सकते हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। राजस्थान कांग्रेस की समस्या यह भी है कि राजस्थान में अब चुनाव में 5 महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में पायलट को संगठन में अहम भूमिका देकर पहले से चल रही व्यवस्था को चुनाव से ठीक पहले कैसे अस्त-व्यस्त किया जाए। ऐसे में सचिन पायलट अपनी मांगों को छोड़कर भी हैं तो उन्हें कौन से पद पर एडजस्ट किया जाए।

सीडीएस जनरल ने मुख्यालय दक्षिण पश्चिमी कमान का दौरा किया

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को जयपुर स्थित दक्षिण पश्चिमी कमान का दौरा किया। जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल बी.एस. राजू ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान से संबंधित ऑपरेशनल पहलुओं पर भी चर्चा की। सीडीएस ने अपने संबोधन के दौरान सभी अधिकारियों को संयुक्त कौशल को मजबूत करने, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने और सशस्त्र बलों में तालमेल तथा सैन्य बलों में परिवर्तन के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए अनुकूल वातावरण को तैयार करने पर जोर दिया।

रेलवे द्वारा जयपुर के उपनगरीय स्टेशन गांधीनगर जयपुर का विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकास किया जा रहा है। स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य 212.48 करोड़ रूपये की लागत के साथ स्वीकृत किया गया है एवं वर्तमान में कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। निर्माण कार्य में स्टेशन पर स्थित रेल क्वार्टर्स, वेटिंग हॉल, आरपीएफ थाना आदि को गिरा कर भूमि समतल कर नींव का कार्य किया जा रहा है तथा निर्माण कार्य ग्राउण्ड लेवल तक आ गया है। स्टेशन पर सिगनल और दूरसंचार तथा विद्युत केबलों को अस्थाई तौर पर शिफ्ट किया गया हैं। गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर दो नई बिल्डिंग का निर्माण प्रस्तावित है।

चिरंजीवी योजना में राज्य के बाहर अंग प्रत्यारोपण का लाभ मिलेगा

- इस सम्बन्ध में राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेन्सी ने दिशा निर्देश जारी किये।
- मरीज व एक सहयोगी के लिये एक लाख रू. तक की हवाई यात्रा के पुनर्भरण का भी प्रावधान।

जयपुर। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभार्थी परिवार राज्य के बाहर भी अंग प्रत्यारोपण की सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही मरीज एवं उसके साथ जाने वाले एक सहयोगी को राज्य के बाहर उपचार के लिए आने जाने के लिये एक लाख रुपए तक की हवाई यात्रा के व्यय का पुनर्भरण भी सरकार द्वारा किया जायेगा। इस सम्बन्ध में राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेन्सी ने दिशा निर्देश जारी किये है।

स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि इस योजना में लाभार्थी परिवारों को राज्य के बाहर सहित किसी भी अस्पताल में पैकेज की सीमा राशि तक अंग प्रत्यारोपण के 37 पैकेजेज पर व्यय राशि का पुनर्भरण किये जाने का प्रावधान है। यह इस साल 1 अप्रेल से प्रभावी है। इसके अन्तर्गत लीवर, किडनी, फैफडे, हार्ट, बोनमेरो तथा कॉकलियर इंप्लान्ट कवर है। उन्होंने बताया कि सम्बन्धित अंग प्रत्यारोपण के उपचार के लिए नेशनल, स्टेट आर्गन एण्ड टिश्यू ट्रान्सप्लान्ट ऑर्गेनाईजेशन द्वारा अधिकृत व मान्यता प्राप्त अस्पताल में उपचार के बिल ही मान्य होंगे।

गौरतलब है कि पॉलिसी वर्ष 2022-23 में 5 लाख से अधिक व्यय के 273 लाभार्थी एवं पॉलिसी वर्ष 2023-24 में अभी तक 5 लाख अधिक व्यय के 121 लाभार्थियों को कैशलेस उपचार का लाभ दिया गया है।

सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 से मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत प्रदेशवासियों को राजकीय अस्पतालों में सभी प्रकार की ओ.पी.डी. एवं आई.पी.डी सेवायें पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। 25 लाख की राशि का प्रावधान एक पॉलिसी वर्ष के लिये किया जाता है। नया पॉलिसी वर्ष प्रारम्भ होने पर वॉलेट राशि पुन: 25 लाख रू. हो जाती है।

विश्व ओलंपिक दिवस पर प्रदेश के खिलाड़ियों को सम्मानित किया

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने पद्मभूषण और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया के निवास पर सभी खिलाड़ियों से की मुलाकात

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने आज विश्व ओलंपिक दिवस पर पद्मभूषण और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया के निवास पर सभी खिलाड़ियों से मिलकर मोदी सरकार की खेलों को प्रोत्साहित करने की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा करते हुए उपस्थित सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया।

इस मौके पर जोशी ने कहा कि विश्व ओलंपिक दिवस पर मां भारती का गौरव पूरे विश्व में अपनी क्षमता, कार्यकुशलता के दम पर बढ़ाने वाले खिलाड़ियों से मिलना परम सौभाग्य है। इस मौके पर जब सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की प्रतीक मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे हुए हैं, प्रदेश और देश का सम्मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों से मिलना और उनका सम्मान करना आवश्यक है। केंद्र की मोदी सरकार ने खेलो इंडिया के बजट में इस वर्ष 400 करोड़ की वृद्धि कर 1000 करोड़ किया और खेल मंत्रालय को 3389 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। खिलाड़ियों के लिए एक हजार खेलो इंडिया सेंटर बन रहे हैं। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के लिए 107 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। सभी खेलों को प्रोत्साहित करने की नीति बन रही है। इससे अनेक नए खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। भविष्य की शिक्षा नीति में स्पोर्ट्स पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ी को इसमें और अधिक आगे बढ़ने का मौका मिल सके। खेलों में लगातार भारत का मान बढ़ रहा है।

खिलाड़ियों में द्रोणाचार्य सम्मान से सम्मानित आरडी सिंह और सागरमल धायल, अर्जुन अवार्ड से सम्मानित संदीप सिंह मान और सुंदर सिंह गुर्जर, राजू लाल चौधरी, सुमित्रा शर्मा, जितेंद्र सिंह, ओम प्रकाश, उमा वर्मा, लवमित कटारिया, मनप्रीत कौर, रेणु, नितिन कृष्णा, पुण्य प्रताप, जीती जगजीत, राजेंद्र विश्नोई, सुमन ढाका, स्वाति ढूढवाल, रिचा गौड़, महावीर सैनी, राम सिंह, हिम्मत सिंह गुर्जर, दीपक भारद्वाज, ओम प्रकाश चौधरी व सर्वेश पारीक उपस्थित रहे।

'धारीवाल पत्थर फेकेंगे तो याद रखें, छींटे उन पर भी आएंगे'

जयपुर के मंत्री-विधायकों के विवाद को लेकर प्रतापसिंह खाचरियावास ने दिया शांति धारीवाल को जवाब

- जयपुर के मंत्री-विधायक तो साथ में बैठते हैं, चर्चा करते हैं, धारीवाल तो कोटा में रामनारायण मीणा, भरत सिंह के साथ तक नहीं बैठते
- धारीवाल ने कोटा में ही विकास कराने की बात सोची, जयपुर के बारे में नहीं सोचा फिर भी जयपुर के मंत्री-विधायकों ने यहां बड़े प्रोजेक्ट के काम करवाएं

जयपुर, (का.प्र.)। एक दिन पहले ही उदयपुर में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने कहा था कि जयपुर में 33 मंत्री और छह से विधायक हैं और यह आपस में एकमत नहीं होते इसलिए जयपुर में विकास नहीं हो पा रहा। इस बयान के बाद खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने धारीवाल पर पलटवार करते हुए उन पर झूठे बयान देने और जयपुर के विकास को रोकने के आरोप लगाए हैं।

धारीवाल की ओर से दिए गए बयान के बाद में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि उनकी आदत है झूठे बयान देना, झूठे बयान देकर माहौल बनाने की कोशिश करना। जयपुर विकास में बहुत पीछे नहीं है। जयपुर विकास में नंबर वन है। खाचरियावास ने यह भी आरोप लगाया कि धारीवाल ने पूरा दम लगाया कि कोटा में ही विकास करूं, जयपुर में विकास ही नहीं करूं, लेकिन जयपुर के तीन मंत्री और छह विधायकों में दम है, जिसके कारण जयपुर में मेट्रो, टनल, पुलिया, अंडरपास जैसे प्रोजेक्ट आए। इसी के साथ जयपुर में बीसलपुर का पानी लाए। यह किसी एक मंत्री की मेहरबानी से नहीं हुआ, बल्कि यह सरकार में ताकत है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में हर मंत्री और विधायक को बराबर के अधिकार हैं।

खाचरियावास ने कहा कि धारीवाल को पार्टी ने बहुत कुछ दिया है। धारीवाल को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए जो पार्टी या सरकार के विरोध में जाते हैं। प्रताप सिंह बोले कि धारीवाल क्या करते हैं, वे हमेशा पत्थर फेंकते हैं। उनको याद रखना चाहिए कि जब आप पत्थर फेंकोगे तो आप मानकर चलिए छींटे उछलेंगे। आपको बेवजह के बयान से बचना चाहिए। यह सही नहीं है। इतने वरिष्ठ मंत्री को शोभा नहीं देता। वे कैसे कह सकते हैं, जयपुर के छह एमएलए और मंत्री लड़ते रहते हैं। धारीवालजी की खुद के कोटा में विधायक रामनारायण मीणा, भरत सिंह कुंदनपुर से बात ही नहीं होती। वे तो कोटा में खुद लड़ते रहते हैं। हमारे यहां जयपुर में विधायक-मंत्री तो साथ बैठते हैं। साथ में चर्चाएं करते हैं। जयपुर के दो टुकड़े करने की बात पर जिलाध्यक्ष के तौर पर जब मैंने स्टैंड लिया तो सबने साथ दिया। एक भी मंत्री-विधायक ने मेरे स्टैंड का विरोध नहीं किया। जयपुर में कोई टकराव नहीं है। हम सब जयपुर के मंत्री और विधायक एक हैं।

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर के मंत्री-विधायकों को लेकर धारीवाल जो सर्टिफिकेट बांटते घूम रहे हैं, उनको अच्छा नहीं लगता। मैं तो कहता हूं वे पूरे राजस्थान के मंत्री हैं। वे यह बता दें जयपुर को स्पेशल मदद कब की। जिस दिन जयपुर की स्पेशल मदद बता देंगे, मैं मान जाऊंगा। उनका बयान पार्टी के हित में आना चाहिए। जब केसी वेणुगोपाल, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा बैठे हैं, तब उनका यह बयान आना गलत है।

लगातार तीसरी बार अशोक गहलोत सरकार में शांति धारीवाल जयपुर के प्रभारी मंत्री हैं। इस बात पर खाचरियावास ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रभारी मंत्री के नाते धारीवाल ने एक भी मीटिंग नहीं ली। यह तो सच है। मुझे सच बोलने की आदत है, लेकिन जयपुर में काम हुए हैं। धारीवाल को जयपुर के काम का पता ही नहीं है। उनके पास डिपार्टमेंट है, इसका मतलब यह नहीं होता कि वह चाहे जैसे कर लेंगे। हमें काम कराना आता है। राजनीति में आए हैं तो काम करवाना आता है। सामने दीवार कितने खड़ी करते रहो। दीवार तोड़कर के भी जनता के काम करवाएंगे। जनता का काम करवाना हमें आता है। यही कारण है कि जयपुर आज भी राजस्थान की नंबर वन सिटी है। जयपुर का डेवलपमेंट देखते ही बनता है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

एक आर.ए.एस. निलंबित

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस.) के एक अफसर जयपुर विकास प्राधिकरण की प्राधिकृत अधिकारी अनीता कुमारी खटीक को निलंबित किया गया है।

एक नया करोना संक्रमित मिला

जयपुर। दौसा में शुक्रवार को एक नया करोना संक्रमित मिला है। वहीं एक मरीज के रिकवर होने से फिलहाल राज्य में आठ एक्टिव केस मौजूद है।

राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति की अगवानी की

राज्यपाल कलराज मिश्र ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सपत्नीक जयपुर पहुंचने पर शुक्रवार को सांगानेर एयरपोर्ट पर उनकी भावभीनी अगवानी की। राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ का बुके भेंट कर स्वागत किया। शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला, मुख्य सचिव उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने भी उनका स्वागत किया। वहीं शाम को राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को जयपुर एयरपोर्ट से विदाई दी।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री सुखदेव सिंह पंवार व उनकी पत्नी रश्मि कंवर निवासी 7/349, विद्याधर नगर, जयपुर के हैं, मेरे अभिभाष्यगण की पुत्री हर्षिता कंवर उनके कहने में नहीं है तथा अपने हिसाब से जीवन जी रही है तथा मेरे अभिभाष्यगण की पुत्री का चाल चलन कहने में नहीं होने के कारण मेरे अभिभाष्यगण की पुत्री हर्षिता कंवर को चल अचल सम्पति से सम्पूर्ण रूप से बेदखल करते हैं, जिसका भविष्य में चल अचल सम्पति में कोई अधिकार नहीं रहेगा तथा ना ही कोई क्लेम की अधिकारी होगी।
जयपुर (प्रणव कानूनगो) एडवोकेट
दिनांक-22/6/23 मो.-9828590909

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य सुमित शाह पुत्र श्री रतन लाल शाह एवं सुलेमान खाँ पुत्र रज्जाक खाँ निवासी जयपुर ने प्लाट नम्बर 195, 196 एवं 211 आवासीय योजना पार्वती नगर बैनाड रोड जयपुर में तीन प्लाट जिनका कुल क्षेत्रफल 499.12 वर्गगज है को राजेश अग्रवाल पुत्र श्री रामावतार अग्रवाल से क्रय कर रहे हैं। उक्त प्लाटों से संबंधित यदि किसी व्यक्ति, दीगर संस्था को किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति व एतराज है तो उक्त आपत्ति व एतराज आज दिनांक से 15 दिन के अन्तर्गत दर्ज करावें। अन्यथा इसके पश्चात दर्ज की गई आपत्ति व एतराज अविधिक व शून्य माना जायेगा।
योगेश कुमार मीणा, एडवोकेट
रजि.नं.-आर/556/2005, मो.-9928276736

कार्यालय उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर (शहर)
कमरा नं. 608, पांचवी मंजिल, मिनी सचिवालय, बनीपार्क, जयपुर
Email: drjpr.coop@gmail.com, Phone No. 0141-2200836
क्रमांक: 2264 -: सार्वजनिक नोटिस:- दिनांक: 22.6.2023
(अन्तर्गत राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा-9 (1)
संतोष क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि०, जयपुर (पंजीयन संख्या- COOP/ 2018 / JAIPUR /Cos/100049 दि. 12-10-2018 ने राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा-9 के तहत समिति के नाम में परिवर्तन करने हेतु दिनांक 16.10. 2022 को समिति की वार्षिक आमसभा का आयोजन कर समिति का नाम संतोष क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि० जयपुर पता- 2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी रोड़, गणेश मंदिर के पास, जयपुर- 302004 के स्थान पर "महाप्रज्ञ क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि०, जयपुर" पता:- 'अंशु' भवन' पीतल फैक्ट्री क्रोसिंग, तांबी पेट्रोल पम्प के सामने, झोटवाड़ा रोड जयपुर-302016 करने का निर्णय लिया जाकर इस कार्यालय को आवेदन किया है। अतः इस नोटिस के जरिये सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस समिति के नाम व पते में परिवर्तन से किसी को कोई आपत्ति हो तो एक माह के भीतर-भीतर उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, जयपुर (शहर) के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। एक माह के पश्चात किसी प्रकार की आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सहकारी सोसायटियों के रजिस्टर में पूर्ववर्ती नाम के स्थान पर नया नाम प्रविष्ट कर रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र व पंजीकृत उपनियमों को तदनुसार संशोधित कर दिया जायेगा। सूचित रहे।
(देशराज यादव),
उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, जयपुर (शहर)

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 15/23
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम (1) श्री शकुन्तला गुप्ता पत्नी स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता जाति गुप्ता, (2) कपिल गुप्ता पुत्र स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता जाति गुप्ता, निवासी-बी-437-ए, मालवीय नगर, जयपुर, (3) श्री कुमुद गुप्ता पत्नी श्री सुधीर गुप्ता पुत्री स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता, निवासी-प्लाट नं.1, स्कीम नं.-2, मिलिट्री गेट के पास, मगलानसर रोड, अलवर-301001
मृतक स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता पुत्र स्व.श्री प्रभूदयाल गुप्ता की सम्पत्ति के विषय में
पेशी दिनांक- 13/7/23
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता पुत्र स्व.श्री प्रभूदयाल गुप्ता जाति गुप्ता निवासी बी-437-ए, मालवीय नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 13 माह 07 सन् 23 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 3 माह 6 सन् 23 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 42/3/3 स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। सुमित्रा 9530145128

मेरे प्लाट संख्या 14, सर्वानंद कॉलोनी, नायला रोड, आगरा रोड जयपुर के बाबा आर. एन. गौड गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा जारी मूल आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान कहीं खो गए हैं मिलने पर सूचित करे मूली देवी पत्नी श्री हरी सिंह

श्री गणेश हाऊसिंग को ऑपरेटिव सोसायटी लि. की योजना गणेश नगर के प्लॉट नं. 53 के सोसायटी के मूल साइट प्लान एवम रसीद खो गए है। सूचित करें- प्रतीक गुप्ता 8058911511

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम श्रवण कुमारी से बदलकर श्रवणीका शेखावत रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी ए-506, अर्मत कलश, कमल एण्ड कम्पनी के पास, टोंक रोड, जयपुर

मैंने अपना नाम योगेंद्र चौधरी से बदलकर योगेंद्र कुमार चौधरी कर लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए ए-4, जैन विहार, कैंवर का बाग, सांगानेर, जयपुर।

मैं आर्मी न. 15340817A हवलदार धीरज कुमार, 60, अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे पिता का नाम राजवीर सिंह दर्ज है। जो की गलत है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में पिता का सही नाम राजवीर दर्ज कराना चाहता हूँ। जिनकी जन्मतिथी 30/10/1952 है।

मैं आर्मी न. 15342514K लास हवलदार गुरमीत, 60, अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे पिता का नाम दर्शन सिंह व जन्मतिथी 01/05/1956 दर्ज है। जो की गलत है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में पिता का सही नाम दर्शन सिंह चहल व जन्मतिथी 01/02/1955 दर्ज कराना चाहता हूँ।

मैं आर्मी न. 15342514K लास हवलदार गुरमीत, 60, अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे माता का नाम चरणजीत कौर व जन्मतिथी 10/03/1961 दर्ज है। जो की गलत है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में माता का सही नाम चरणजीत कौर चहल व जन्मतिथी 20/04/1958 दर्ज कराना चाहता हूँ।

मैं वीणा कचोलिया पत्नी श्री. राजेन्द्र माहेश्वरी, निवासी प्लॉट नंबरः बी-147 बी, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर एतद्द्वारा घोषणा करती हूं कि आधार कार्ड में मेरा नाम वीणा कचोलिया है, लेकिन पासपोर्ट में वीणा माहेश्वरी अंकित है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानी मेरे है। शपथ पत्र दिनांकः 22-06-2023 के अनुसार

मैंने अपना नाम राकेश महला से बदलकर डॉ.राकेश महला पुत्र विद्याधर महला रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी डी-48, 4 डी स्कीम, मुरलीपुरा, जयपुर

I have changed my name from Sunil Kumar Sharma to Sunil Sharma S/o Shyam Sundar Sharma R/o Plot 1, Mangodi Walo Ki Bagichi, Brahmpuri Jaipur for all future purposes